भारी संख्या में उपस्थित श्रोतागण मन्त्रमुग्ध होकर सुनते रहे...

खुशी आन्तरिक अनुभूति है, उसे बाहरी वस्तुओं में न ढूंढें ...ब्रह्माकुमारी शिवानी

रायपुर (छत्तीसगढ़): ब्रह्माकुमारी शिवानी बहन ने शान्ति सरोवर में आयोजित आध्यात्मिक समारोह में कहा कि खुशी भौतिक वस्तुओं से प्राप्त नहीं हो सकती। सुख पाने की लालसा में हम जितनी चीजें खरीदते जाते हैं, प्रतिदिन उनकी सूची उतनी ही लम्बी होती जाती है। खुशी एक आन्तरिक अनुभूति है। इसलिए उसे बाह्य वस्तुओं में ढूंढना उचित नहीं है।

प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व-विद्यालय द्वारा आयोजित इस समारोह में छ. ग. शासन के लोक निर्माण एवं स्कूली शिक्षा मंत्री बृजमोहन अग्रवाल, रेल मण्डल प्रबन्धक प्रेम चन्द्रा सहित भारी संख्या में श्रोतागण उपस्थित थे। उद्‌बोधन का विषय था -एक आध्यात्मिक शाम बनाम खुशनुमा जिन्दगी।

ब्रह्माकुमारी शिवानी बहन ने आगे कहा कि अगर भौतिक साधनों से जीवन में खुशी आ सकती, तो धनवान लोगों के जीवन में सबसे ज्यादा खुशी होनी चाहिए। लेकिन आजकल सभी को तनाव होता है। दसअसल खुशी और शान्ति आन्तरिक अनुभूति है। संसार में सभी लोग खुश रहना चाहते हैं। उन्होंने सभा में उपस्थित लोगों से पूछा कि क्या आपको जीवन में खुशी चाहिए? यदि खुशी चाहिए तो स्वयं को अपने लिए थोड़ा सा समय निकालकर पुरूषार्थ करना पड़ेगा। उन्होंने कहा कि एकान्त में यह चिन्तन करें कि मुझे किस चीज से तनाव होता है? उसके कारण को ढूंढें और उसका निवारण करें? न कि भिखारी की तरह यहाँ-वहाँ खुशी और शान्ति की भीख मांगते रहें।

ब्रह्माकुमारी शिवानी ने पूछा कि हम सारा दिन किसलिए मेहनत करते हैं? अपने और परिवार की सुख सुविधा के लिए ही तो कारोबार आदि करते हैं। किन्तु जब किसी को कहा जाता है कि भाई साहब, स्वयं के सुख के लिए अर्थात मेडिटेशन सीखने के लिए थोड़ा सा समय निकालें तो लोग झट कह देते हैं कि समय नहीं है। सुख और शान्ति हमारे भीतर आत्मा में ही निहित हैं किन्तु हम अपने खुद की आध्यात्मिक उन्नति के लिए समय नहीं देना चाहते हैं। बहाना कर देते हैं कि समय नहीं है और सुख को बाहरी वस्तुओं में ढूंढ रहे हैं।

उन्होंने कहा कि जीवन में शान्ति बहुत बड़ी शक्ति है। इसलिए यह दृढ़ संकल्प कर लें कि चाहे कुछ भी हो जाए मुझे अशान्त या डिस्टर्ब नहीं होना है। चाहे कोई कुछ भी कहे अथवा करे, मुझे उसके साथ प्रेम और शान्ति से ही पेश आना है। कोई निगेटिव एनर्जी दे रहा है, गुस्सा कर रहा है तो भले करे, मुझे उसे पाजिटिव एनर्जी ही देना है। हम स्वयं खुश रहेंगे तो ही घर-परिवार में दूसरों को खुशी दे सकेंगे। हमारे पास ही वह चीज नहीं होगी तो दूसरों को कैसे दे सकेंगे। उन्होंने सभी को राजयोग मेडिटेशन सीखने के लिए सात दिन का समय निकालने की सलाह देते हुए कहा कि इसे सीख लेने के बाद घर में भी राजयोग का अभ्यास कर सकते हैं।

प्रारम्भ में छत्तीसगढ़ संचालिका ब्रह्माकुमारी कमला बहन सहित सभा में उपस्थित पंचायत एवं समाज कल्याण विभाग के संचालक पी, पी. सोती, जिला कांग्रेस अध्यक्ष इन्दर चन्द धाड़ीवाल, पुलिस उप महानिरीक्षक आर. सी. पटेल, औद्योगिक केन्द्र विकास निगम के महाप्रबन्धक ए.एच.गौरे, आर्थिक अपराध अन्वेषण ब्यूरो के डी. आई. जी. आनन्द तिवारी, सेंचुरी सिमेन्ट के लायसेनिंग ऑफिसर रवि तिवारी आदि ने शिवानी बहन का स्वागत किया। संचालन ब्रह्माकुमारी सोनाली बहन ने किया।

प्रेषक : मीडिया प्रभाग
प्रजापिता ब्रह्माकुमारीज, रायपुर फोन :2253253

pdfMachine
Is a pdf writer that produces quality PDF files with ease!
Produce quality PDF files in seconds and preserve the integrity of your original documents. Compatible across nearly all Windows platforms, if you can print from a windows application you can use pdfMachine.
Get yours now!